गुल्गुलुसुग° the mss. of Kâty. 13.) सर्वदृष्टौ MM. 14.) सर्वविदोक्ता MM. 15.) यद्विदं A. the passage is quoted from the Mâdhyandinaçâkhâ. 16.) ज्ञानबला क्रिया MM. 17.) समूढमज्ञातमकृता° MM. 18.) against the accent, for रोदसी is Accus. 19.) °शब्देनान्नाभ्यवहार्याणि वसूनि MM. 20.) against the accent: for देवश्रुतौ is Nom. 21.) °स्येऽभिम° the mss. of Kâty. °स्येऽत्र MM. 22.) विस्तीर्णे वा MM. 23.) गायत MM. 24.) °तोत्तरत स्थूणां पू° the mss. of Kâty. 25.) बद्ध कृत्वा आवृत्या A. MM. 26.) अेष्ठसं° A. 27.) विस्तृतत्वाच्च A. 28.) the Nirukti reads वल्गो वृ°. 29.) वलगान्प्रखनन् A. MM. 30.) °त्यवमर्श° the mss. of Kâty. 31.) तान् नुपरि A. 32.) अधिषवणफलके? 33.) but the text reads आपृणा! 34.) wanting in A. M. 35.) ह्रेयमानिनानिन A. 36.) कुडावदावरणं M. कुडयवदा° MM. Read कुड्यवदा°. 37.) against the accent. 38.) Read तारस्वरेण with A. M. 39.) °त्युद्धृता° A. 40.) श्वामित्रः A. 41.) °द्धायतीति श्रुतेः M. °द्धायेदित्युक्तेः MM. 42.) प्राज्ञाह्वित A. 43.) कृती ह्रेदने is a marginal gloss in M. 44.) यह्नती° - तृच् is a marginal gloss in M. 45.) °स्मान्न MM. 46.) आप्लृ व्याप्तौ marginal gloss in M. 47.) कर्मण्यपीति केचित् marginal gloss in M. 48.) ह्रूर्हृतेः? 49.) स्वाहा - °स्तु is wanting in M. 50.) उरु बद्ध यथा तथा is wanting in M. 51.) हुतमस्तु M. 52.) विह्वंसिषुः MM. 53.) Here ends a great lacuna in A beginning from °धीन्यन्नानि in the explanation of ka*nd*. 37. 54.) see the fifth note. —

Read: 145,4 उपसर्गाद्ध°. 152,3 ह्नीणां. 153,21 सगराः. 154,18 °कमुरु. 156,16 अह्नं. —

Adhyâya VI. ka*ṇḍ*ik. १-३७ are explained in the Çatap. Brâhm. ३, ७, १, १-९, ४, २४. — ka*ṇḍ*. १-२२ are quoted by Kâtyâyana ६, २, ८-१०, ५. (ka*ṇḍ*. ६ being quoted by him ८, ८, २३.), and ka*ṇḍ*. २३-३७ by the same ८, ९, ७-९, ४, २०. —

1.) च is wanting in A. 1 [sic!].) त्वदपावस्थानं A. त्वदुपरि आस्थानं M. तदुपरि अवस्थानं MM. 2.) उपरेणाधोऽधोभागेन पृथिवीं M. अपरेणाधोभागेन अवटप्रदेशेन पृथिवीं MM. 3.) तकारश्छान्दसो A. 4.) °धिनीः A. धिन्याः MM.